दैनिक **न्याय साक्षी**

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-
फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, शुक्रवार 10 दिसंबर 2021

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

इम्यूनिटी बढ़ाएं

ऐसे वक्त में जब डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले तीन गुणा अधिक संक्रमण वाले वायरस ओमिक्रॉन ने भारत के कई शहरों में दस्तक दे दी है तो सरकार व नागरिकों की चिंता स्वाभाविक है। हालांकि, भारत में अभी इसके मामले गिनती के ही हैं लेकिन जिस तेजी से यह फैलता है, उसने चिंता बढ़ा दी है। इसे भारत में कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक तक कहा जा रहा है। लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब तक देश में हुआ टीकाकरण किस हद तक इस नये वायरस के विरुद्ध रोग प्रतिरोधक क्षमता उपलब्ध कराता है। दक्षिण अफ्रीका में कई ऐसे मामले देखने को मिले हैं, जिनमें दोनों टीके लगे लोगों को इसने संक्रमित किया है। दुनिया की वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां निश्चित रूप से नहीं कह पा रही हैं कि उनकी वैक्सीन सुरक्षा कवच देने में सक्षम है। इसकी मूल वजह इस वायरस के रूप में निरंतर होने वाले बदलाव हैं। आशंका जतायी जा रही है कि सबसे तेजी से म्यूटेट होने वाला यह वायरस एंटीबॉडी को भी भ्रमित कर सकता है। ऐसे में भारत में बूस्टर डोज दिये जाने की मांग सामने आई है। वह भी तब जब डब्ल्यूएचओ ने इसे चिंता का वायरस कहा है। हालांकि, भारत में ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है जिन्होंने दूसरी डोज लगवाने में कोताही बरती है। अमेरिका, रूस व यूरोप मे तीसरी-चौथी लहर में एक बात स्पष्ट दिखी कि जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई, वे ही ज्यादा संक्रमण की चपेट में आये हैं। अच्छी बात यह है कि ओमिक्रॉन का संक्रमण तेज जरूर है लेकिन इससे गंभीर रूप से बीमार होने व मरने के आंकड़े सामने नहीं आये हैं। धीरे-धीरे जब इस वायरस को लेकर वैज्ञानिक अध्ययन सामने आएंगे तब इसकी मारक क्षमताओं को लेकर ठीक-ठीक निष्कर्ष निकाले जा सकेंगे। लेकिन तीसरी लहर की आशंका के बीच सरकार और नागरिकों के स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा के उपाय अपनाये जाने चाहिए। हम अपनी पिछली गलतियों से सबक लें। निस्संदेह पहली लहर के बाद यदि हम लापरवाह न हुए होते तो दूसरी लहर की घातकता से हमें नहीं जूझना पड़ता। दूसरी लहर में चिकित्सातंत्र की लाचारगी को देखते हुए सरकारों को अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए। ओमिक्रॉन को खतरे की घंटी मानकर हमें सतर्क होना होगा। दक्षिण अफ्रीका जहां यह वायरस सबसे पहले चिन्हित किया गया वहां पांच साल के कम उम्र के बच्चों के चपेट में आने की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। ऐसे में जब देश में अभी बच्चों को टीका नहीं लग पाया है, अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत है। इस दिशा में गंभीर प्रयास होने चाहिए कि नये वायरस के मुकाबले को रोग प्रतिरोधक तंत्र कैसे मजबूत किया जाये। डेल्टा वेरिएंट पर आईसीएमआर के एक अध्ययन में टीकों की प्रभावी क्षमता में कमी पायी गई है। इसी सोच के चलते नये वेरिएंट के मुकाबले बूस्टर डोज की जरूरत बतायी जा रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मकसद यही है कि कोविड-19 के तेज संक्रमण को रोकने, मरीज अस्पतालों में भर्ती न हों, मृत्युदर को रोकने उद्देश्य से बूस्टर डोज दी जाये। हालांकि, दुनिया में कई नामी दवा कंपनियां व वैज्ञानिकों ने ओमिक्रॉन के खिलाफ प्रतिरोधक तंत्र विकसित करने के लिये नये टीकों पर काम करना शुरू कर दिया है, लेकिन इनके उपयोग के लिये उपलब्ध होने में वक्त लग सकता है। तब तक सतर्कता के उपाय ही प्राथमिक उपचार साबित होंगे। नई चुनौती के मुकाबले के लिए कॉन्टैक्ट-ट्रेसिंग और टेस्टिंग में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। एक नागरिक के रूप में भी हमारी जिम्मेदारी है कि अनावश्यक यात्रा को टालें, मास्क पहनें, हाथ धोने और सुरक्षित दूरी के विकल्प को अपनाएं। व्यक्ति और सामुदायिक रूप में हमारी जागरूकता उपचार का ही काम करेगी। इसे तीसरी लहर की चेतावनी मानते हुए जहां फिर से टीकाकरण में तेजी लाने की जरूरत है, वहीं टेस्टिंग की गति बढ़ाने की भी जरूरत है। साथ ही यदि कहीं हॉट स्पॉट नजर आते हैं तो उन्हें अलग-थलग किया जाये ताकि अर्थव्यवस्था की गति थामने वाले लॉकडाउन लगाने की जरूरत न पड़े।

सीआईआई और आईटीसी होटल ने ईएचएल ग्रुप से मिलाया हाथ

नईदिल्ली । औद्योगिक संगठन सीआईआई की तरफ से भारतीय आतिथ्य में कौशल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की जा रही है। इस पहल के तहत स्विट्जरलैंड के शिक्षा समूह एकोली होटेलियर डी लुसाने (ईएचएल) की तरफ से 18 महीने का वॉकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग (वीईटी) व्यावसायिक डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। पूरे देश के चार आईटीसी होटलों में इसकी शुरूआत की जा रही है।

12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कुल 200 छात्रों को आईटीसी मौर्य (नई दिल्ली), आईटीसी सोनार और आईटीसी रॉयल बंगाल (कोलकाता), आईटीसी मराठा (मुंबई) और आईटीसी ग्रैंड चोला (चेन्नई) में पहले बैच में नामांकित किया जाएगा। प्रत्येक होटल में 50 छात्रों को इस कोर्स के तहत ट्रेनिंग दी जायेगी। सीआईआई ने वीईटी बाय ईएचएल प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्स में सफलता पूर्वक समापन करने वाले छात्रों को प्लेसमेंट का आश्वासन दिया है। इस पाठ्यक्रम का शुल्क तीन लाख रुपये है और जीएसटी का भुगतान भी करना होगा।

सीआईआई के कार्यकारी निदेशक सौगत रॉय चौधरी ने कहा, सीआईआई में हम कुशल और विश्व स्तर पर बेंचमार्क प्रतिभा के एक्सपर्ट के साथ भारतीय आतिथ्य की आवश्यकता के मुताबिक इस कोर्स को शुरू करने का फैसला लिया हैं। इसलिए 127 साल पुराने ईएचएल ग्रुप के साथ साझेदारी की गयी है। हम छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय आतिथ्य के इस क्षेत्र के एक्सपर्ट के साथ साझेदारी करना चाहते थे। इधर इस कोर्स को शुरू करने के फैसले के साथ ही शुरुआत से ही आईटीसी होटल हमारा पसंद था। भारत में अंग्रेजी जानने एवं इस भाषा को पसंद करनेवाले युवाओं की एक बड़ी आबादी है, इसके साथ देश में पर्यटन स्थलों पर होटलों की मांग में तेजी आ रही है। इसके कारण हमारा मानना है कि यहां से प्रशिक्षण लेनेवाले छात्र नये जगहों पर अपनी प्रतिभा का अच्छा जौहर बिखेर सकेंगे।

आईटीसी होटल्स के टैलेंट मैनेजमेंट के उपाध्यक्ष नीलेश मित्रा ने कहा, हमारे पास इस कार्यक्रम के लिए एक उत्कृष्ट माहौल है, क्योंकि आईटीसी होटलों में हम लगातार प्रशिक्षण कौशल सेट को अपग्रेड करते रहते हैं और मॉड्यूल में नई सीख को एकीकृत करते हैं। प्रत्येक आईटीसी होटल में मौजूद हमारे फैकल्टी को ईएचएल और सीआईआई द्वारा प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया है। वे काफी वर्षों का अनुभव और ज्ञान से परिपूर्ण हैं। इसके अलावा इस कोर्स से जुड़नेवाले छात्र आईटीसी होटलों में वास्तविक कार्य सेटिंग में मेहमानों के साथ बातचीत के तरीके को सीखने में सक्षम होंगे। यह कार्यक्रम हमें अपनी प्रतिभा की पाइपलाइन को मजबूत करने में सक्षम बनाएगा क्योंकि हम देश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखेंगे। हम 2022 में इस कार्यक्रम में और नये होटल को जोड़ने का टार्गेट लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

राहो ने जुटाए 12.5 करोड़ रुपये की पूंजी

नईदिल्ली। ऑन-डिमांड इंटरसिटी ट्रकिंग मार्केटप्लेस राहो ने प्री-सीरीज़ ए में नए निवेशकों आईपीवी, नीतीश मितरसैन (संस्थापक - नजारा) के नेतृत्व में 12.5 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

इस राउंड में कंपनी के मौजूदा निवेशकों रूट वेंचर्स, वेंकटेश विजयराघवन (ग्रुप सीईओ, बोर्ड मेंबर, केविनकेयर), क्रेड के मितेन संपत और अन्य ने भी भाग लिया। उसने कहा कि उसकी योजना राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी को बढ़ाने और पूरे प्रॉडक्ट को ऑन-डिमांड बनाने की है, जिसमें जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल किया जाएगा। राहो की स्थापना 2017 में की गई थी, ताकि कई चरणों बंटी ट्रकिंग उद्योग की अपारदर्शी और थकाऊ प्रक्रियाओं को कारगर बनाया जा सके, जिसमें मुख्य रूप से बिचौलियों का वर्चस्व है। ट्रक ड्राइवरों और बेड़े के मालिकों के जीवन को आसान बनाने और आय बढ़ाने के इरादे से, कंपनी तीसरे पक्ष की लॉजिस्टिक्स एजेंसियों को अपने रियल टाइम / तकनीकी गहनता आधारित मैचमेकिंग अल्गोरिदम के जरिए संचालित बेड़े के मालिकों से जोड़ती है। राहो अपने सभी शिपर्स (सामान भेजने वाले) को शिपमेंट की रियल-टाइम ट्रैकिंग और समय पर डिलीवरी द्वारा सहायता प्राप्त विश्वसनीय ट्रकों को खोजने में सुविधा प्रदान करता है।

डिजिटल भुगतान पर शुल्क तर्कसंगत बनाएगा आरबीआई; परिचर्चा पत्र लाने की तैयारी

नईदिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्ड, प्री-पेड और यूपीआई जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान की सुविधाओं पर शुल्क तार्किक और मुनासिब बनाने का निश्चय किया है। केंद्रीय बैंक ने इस मुद्दे पर चर्चा करा कर इसका तर्कसंगत समाधान निकालने की घोषणा की। रिजर्व बैंक का कहना है कि अभी इन माध्यमों से भुगतान पर शुल्क की दरें और प्रतिभागियों के दायित्व अभी अगल- अलग और कई बार अतार्किक तरह के दिखते हैं और इसको लेकर चिंता है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मुंबई में मौद्रिक नीति समिति की द्वैमासिक समीक्षा बैठक के निर्णयों को जानकारी देते हुए कहा, भुगतान प्रणाली में लगाए जाने वाले विभिन्न शुल्कों से संबंधित मुद्दों पर समग्रता पूर्वक विचार के लिए तथा विभिन्न प्रकार की चिंताओं को कम करने के लिए एक परिचर्चा पत्र जारी करने का निर्णय किया गया है ताकि डिजिटल लेन-देन पर शुल्क को मुनासिब रखा जा सके।

गवर्नर दास कहा कि अभी कार्ड, वालेट और यूपीआई (संयुक्त भुगतान प्रणाली) के माध्यम से ग्राहकों पर लगने वाले डिजिटल भुगतान शुल्कों को लेकर चिंता जतायी जा रही है कि के ये शुल्क तर्करंगत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सभी सम्बद्ध पक्षों के निरंतर प्रयास से भारत में डिजिटल भुगतान में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस समय कम मूल्य के डिजिटल भुगतान पर शुल्क की दरें कम और बड़े भुगतान पर शुल्क ज्यादा लगता है। इस बीच, रिजर्व बैंक ने सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में निवेश के लिए यूपीआई से भुगतान की सीमा को दो लाख रूपये से बढ़ा कर पांच लाख रुपए कर दिया गया है।

एशेज, पहला टेस्ट : इंग्लैंड के बेन स्टोक्स द्वारा फेंकी गई 14 नो बॉल

ब्रिस्बेन। एशेज सीरीज का पहला टेस्ट गुरुवार को दूसरे दिन इस खबर को लेकर विवादों में घिर गया कि इंग्लैंड के बेन स्टोक्स द्वारा फेंकी गई 14 नो बॉल में से सिर्फ एक को मैदानी अंपायरों को उस तकनीक से मदद नहीं मिली, जिससे उन्हें मदद नहीं मिली। बताया गया कि ऐसा करने वाले उपकरण खराब हो गए थे। तकनीक की मदद से अनुपलब्ध होने के कारण, स्टोक्स की एक गेंद को नो-बॉल कहा जाता था क्योंकि डेविड वार्नर के उस समय 17 रन पर बल्लेबाजी करने के बाद टीवी अंपायर ने इसे चेक किया था, उस गेंद पर बोल्ड हो गया था। जबकि ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज को राहत मिली, उनकी टीम को 13 रन से हार का सामना करना पड़ा क्योंकि स्टोक्स के कई बार लाइन के ऊपर जाने के बावजूद उन डिलीवरी को नो-बॉल नहीं कहा गया था। इन नो-बॉल के लिए स्टोक्स को नहीं बुलाए जाने का मतलब यह भी था कि वह अपने रन-अप को सही नहीं कर पाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों ने अतिरिक्त गेंदों पर एक मौका गंवा दिया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के तहत, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मैचों में तीसरे अंपायर को नो-बॉल के लिए हर डिलीवरी की जांच करनी होती है। प्रसारकों ने बाद में बताया कि तीसरे अंपायर द्वारा सामने के पैर की जांच के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण खराब हो गए थे और अधिकारियों ने तकनीक के अस्तित्व से पहले इस्तेमाल किए गए प्रोटोकॉल को वापस कर दिया था।

तेज गेंदबाज के रूप में यह एक दौरा है जिसे आप मिस नहीं करना चाहते :जोफ्रा आर्चर

गाबा । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने चोट के कारण 2021/22 एशेज से चूकने पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया का दौरा कुछ ऐसा है जिसे एक तेज गेंदबाज कभी मिस नहीं करना चाहेंगे। आर्चर अपनी दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर की पुनरावृत्ति के कारण इस साल अगस्त से क्रिकेट से बाहर हैं।

आर्चे ने कहा, गेंद को सीम करते और थोड़ा उछलते हुए देखना मुश्किल था... जीज़, एक तेज गेंदबाज के रूप में यह वास्तव में एक क्रिकेट दौरा है जिसे आप मिस नहीं करना चाहते हैं।

26 वर्षीय ने कोहनी की चोट से अपनी प्रगति पर एक अपडेट भी साझा किया। आर्चर ने कहा मुझे लगता है कि स्कैन का दूसरा अंतिम बिट किया गया। परिणाम कल ही आए और यह वास्तव में काफी आशाजनक दिख रहा है। सब कुछ अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। यह बस थोड़ा और इंतजार करने और थोड़ा धैर्य रखने की बात है। मैं लगभग कुछ समय में तैयार हो जाउंगा।

आर्चर को यकीन नहीं था कि इंग्लैंड ने स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन को एशेज के पहले टेस्ट से बाहर क्यों रखा, लेकिन कप्तान जो रूट के निर्णय लेने में विश्वास व्यक्त किया। द गाबा में चल रहा टेस्ट 2006 में बॉक्सिंग डे टेस्ट के बाद पहला एशेज टेस्ट है जिसमें इंग्लैंड के प्लेइंग इलेवन में एंडरसन या ब्रॉड में से कोई भी शामिल नहीं है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक क्षेत्र में उच्च अधिकारियों के साथ आवश्यक विषयो पर चर्चा होगी। आपके किसी परियोजना को सरकारी लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

वृषभ : आज का दिन मिश्र फलदायी रहेगा। व्यापारी अपने व्यापार में धन लगाकर नए कार्य का प्रारंभ कर सकेंगे और भविष्य के लिए योजना भी बना पाएंगे।

मिथुन : रोगी का इलाज या शल्यचिकित्सा संभवतः आज टालिए। क्रोध से स्वयं कोई हानि होने की संभावना अधिक है। दिमाग को शांत रखिएगा।

कर्क: आज का दिन मित्रों और स्वजनों के साथ आनंदपूर्वक बिता सकेंगे। मनोरंजक प्रवृत्तियों का भी आनंद प्राप्त होगा।

सिंह: मानसिक रूप से चिंता से मन व्यग्र रहेगा। शंका और उदासी भी मन पर छाए रहेंगे। इसलिए आज मन भारी रहेगा। किसी कारणवश दैनिक कार्यों में विघ्न आ सकते है।

कन्या: आज विद्यार्थियों के लिए समय कठिन है। संतानों के विषय में आपको चिंता बनी रहेगी। शेयर-सट्टे में संभलकर चलिएगा।

तुला: आज आप शारीरिकरूप से शिथिलता और मानसिकरूप से व्यग्रता का अनुभव करेंगे। माता के विषय में चिंता रहेगी। स्थावर संपत्ति से संबंधित दस्तावेजी कार्य सावधानी से करें।

वृश्चिक: आज आपके लिए लाभदायी दिन है। आज आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ भाग्य में भी लाभ होगा। स्नेहीजनों के साथ सम्बंधों में प्रेम की अधिकता रहेगी।

धनु: आज आपका मन दुविधा में फंसा रहेगा। पारिवारिक वातावरण क्लेशपूर्ण रहेगा। निर्धारित कार्यों को पूर्ण न कर पाने से मन में हताशा भी बनी रहेगी।

मकर: आज निर्धारित कार्य सरलतापूर्वक पूरे होंगे। आफिस या व्यवसायिक स्थान पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा। गृहजीवन में आनंद का वातावरण रहेगा।

कुंभ: आज किसी की जमानत लेने तथा आर्थिक लेन-देन नहीं करने की सलाह है। खर्च की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य नहीं रहेगें।

मीन: सामाजिक कार्यों या समारोहों में भाग लेने का अवसर आएगा। मित्रों-स्नेहीजनों के साथ की मुलाकात मन को खुशी देगी।

15 दिसंबर से फिर पठान की शूटिंग शुरू करेंगे शाहरुख खान

क्रूज ड्रग्स मामले में बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद शाहरुख खान का परिवार मुश्किलों में था। बेटे के जेल जाने के बाद शाहरुख ने अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग रोक दी थी। अब जब आर्यन जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आ चुके हैं, तो लोगों को सेट पर शाहरुख की वापसी का इंतजार है। जानकारी सामने आ रही है कि शाहरुख 15 दिसंबर से फिर पठान की शूटिंग शुरू करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख 15 दिसंबर से पठान की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। एक सूत्र ने बताया, कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग के लिए टीम 15 दिसंबर से पठान की शूटिंग शुरू करेगी। यह एक ऐसा शेड्यूल है, जिसके 15 से 20 दिनों तक चलने की उम्मीद है। फिल्म के तीनों अहम कलाकार शाहरुख, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम इस शेड्यूल का हिस्सा होंगे। टीम मुंबई में एक क्लोज्ड सेटअप में शूटिंग करेगी।

देश में पठान की शूटिंग के बाद इसका अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल भी शुरू होगा। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के लोकेशंस और डेट्स का पता नहीं चल पाया है। सूत्र ने आगे बताया कि इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और यशराज फिल्म्स अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल के लिए चर्चा कर रहे हैं। लीड कलाकारों के साथ रियल लोकेशंस पर फिल्म को शूट करने की योजना है, ताकि फिल्म को एक इंटरनेशनल टच दिया जा सके।

दिग्गज अभिनेताओं से भरे परिवार के साथ रहने पर बोले करण देओल

अपनी आगामी फिल्म वेल्ले की रिलीज के लिए तैयार अभिनेता करण देओल का कहना है कि दिग्गज अभिनेताओं से भरे परिवार के साथ रहने से उन्हें उनसे कौशल सीखने को मिलता है। करण अभिनेता सनी देओल के बेटे और दिग्गज स्टार धर्मेंद्र के पोते हैं। वह वेल्ले में अपने चाचा अभय देओल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे।

अभय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, करण ने कहा कि मैं महान अभिनेताओं से भरे परिवार में रहता हूं, इसलिए मैं स्पष्ट रूप से उनसे सीखता हूं। मेरे चाचा के साथ एक अभिनेता के रूप में काम करने में आराम और सहजता होती है।

दोनों उदाहरणों में अलग-अलग बातचीत हुई क्योंकि एक निर्देशक के साथ बातचीत पूरी तरह से अलग है और एक अभिनेता के साथ यह पूरी तरह से अलग है।

घर पर बनाएं स्पेशल स्वीट डिश- संजोरी

सामग्री :

सूजी- 1.5 कप, चावल- 2 कप, पिसी हुई चीनी- 1 कप, काजू पाउडर- 1 कप, इलायची पाउडर- 1/2 टीस्पून, दूध- - 1/4 कप, नमक- एक चुटकीष घी- 500 ग्राम

विधि :

चावल को एक दिन के लिए पानी में भिगो दें। छानकर कपड़े पर सुखा लें। फिर मिक्सर में पीस लें। इसे छानें। अब एक बोल में सूजी लें। सूजी में एक चुटकी नमक और पानी डालकर डो तैयार करें। डो को तीन से चार घंटे के लिए कपड़े से ढककर रख दें। अब सूजी के डो के टुकड़ों कर मिक्सर में पीसें। फिर थोड़ा सा पानी डालकर दोबारा आटा गूंथें। ध्यान रहे डो को ज्यादा गाढ़ा या ढीला न बनाएं। अब इससे लोइयां बनाएं। फिर बोल लेकर उसमें सूजी के एक लोई जितना चावल का आटा लें। - उसमें घी डालकर चावल के आटे का डो तैयार करें। फिर सूजी के दोनों लोइयां मोटी बेलें। सूजी की रोटी के

बीच में चावल के आटे का तैयार डो रख दें। अब सूजी और चावल के आटे को मिलाकर इसका एक डो तैयार करें और इसकी फिर से एक मोटी रोटी बेल लें। अब एक बोल लेकर उसमें दो टीस्पून चावल का आटा और उसमें तीन टीस्पून घी डालकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। अब चावल के इस पेस्ट को सूजी की बेली हुई रोटी पर चटनी की तरह फैलाएं। इसे लगाते समय हाथों पर थोड़ा-सा घी लगा लें। अब तैयार रोटी को थोड़ा-थोड़ा मोड़कर हाथ से दबाकर रोल करें और रोटी के किनारों को बंद कर दें। संजोरी की फिलिंग तैयार करें। सभी सामग्री को बोल में डालकर मिलाएं। अब लोई में स्टफिंग भर कर हाथों से चपटा कर लें। कड़ाही में घी गर्म करें। संजोरी को डीप फ्राई कर गर्मागर्म परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 284

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3	■	4	5	■	■
6		■	7				8	■
9		10		■		■	11	
12			■	13		14		■
■	15				■		■	16
17	■		■	18			■	
19		■	■	■	■	20	21	
	■	22		23		■	24	
25			■	26				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 283 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 284

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[ख] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.283 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6